Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Monthly Newsletter
June | 2025

Blending Practice with Purpose

Home Visits

Teachers conducted home visits to re-engage irregular and absentee students. By conversing with parents and caregivers, the teachers not only re- established a sense of belonging for the students but also emphasized the importance of consistent education.

Mock Teachers Sessions

To strengthen pedagogical skills and boost classroom confidence, educators participated in structured mock teaching sessions. These sessions served as a dynamic platform for teachers to rehearse lesson plans, refine delivery techniques and experiment with innovative tools.

Enhancing Teaching Methods

Subject specific worksheets were developed to ensure tailored learning experiences for students. Additionally, targeted assessments were conducted to gauge learning levels and identify areas for enhancing teaching practices, fostering continuous improvement.

Knowledge Corner

*India ranks **131** out of **148** countries in the World Economic Forum's Global Gender Gap Report 2025. At Modicare Foundation, we foster change from the ground up by empowering individuals with knowledge and dignity – paving the way for a more equitable world through sessions on-*

- *POSH Awareness*
- *Gender Sensitisation*
- *Menstrual Health & Hygiene Management*

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Monthly Newsletter
June | 2025

AOC Team Conducts Mock Sessions

To foster synergy and shared learning, the AOC team held two day mock sessions on Life Skills, Substance Abuse, Peer Pressure & Bullying, and Gender Sensitisation among others at 41 Community Centre, New Friends Colony. These sessions were designed as collaborative practice with Khwabgah teachers participating as an audience and co-learners. At its core, the rationale behind cross team collaboration was to learn from each other's experience and facilitation styles. This mutual exchange cultivated trust and reinforced the spirit of peer learning across teams and provided the team with actionable insights for content delivery and facilitation.

Echoes from the field

Through these mock sessions we got an opportunity to talk on sensitive issues such as menstruation, changes during adolescence, sexual abuse etc., which people feel hesitant to talk about and therefore are unable to make the right decisions due to lack of information.

- Anusha Khan, Khwabgah

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Monthly Newsletter
June | 2025

अभ्यास और उद्देश्य का संगम

होम विजिट्स

शिक्षकों ने अनियमित और अनुपस्थित विद्यार्थियों से जुड़ने के लिए उनके घरों का दौरा किया। इन मुलाकातों का उद्देश्य माता-पिता और देखभालकर्ताओं से बातचीत करना था, ताकि बच्चों में अपनापन की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही निरंतर संवाद पर भी ज़ोर दिया गया।

मॉक शिक्षण सत्र

शिक्षण कौशल को मजबूत करने और कक्षा में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए संरचित मॉक टीचिंग सत्र आयोजित किए गए। ये सत्र शिक्षकों के लिए पाठ योजनाओं का अभ्यास करने, प्रस्तुति शैली को निखारने और नए शैक्षिक टूल्स को आज़माने का सशक्त मंच साबित हुए।

शिक्षण विधियों में सुधार

छात्रों को लक्षित सीखने के अनुभव प्रदान करने के लिए विषय आधारित वर्कशीट तैयार की गईं। साथ ही, सीखने के स्तर का आकलन करने और गैप्स को भरने के लिए मूल्यांकन भी किया गया। इससे निरंतर सुधार को बढ़ावा मिला।

नॉलेज कॉर्नर

*भारत वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में **148** देशों में से **131** वें स्थान पर है। मोदीकेयर फाउंडेशन में, हम जमीनी स्तर पर बदलाव को बढ़ावा देते हैं–ज्ञान और गरिमा के माध्यम से लोगों को सशक्त बनाकर एक अधिक समानतापूर्ण दुनिया की नींव रखते हैं। इसके लिए हम निम्नलिखित विषयों पर सत्र आयोजित करते हैं:*

- *POSH जागरूकता*
- *लैंगिक संवेदनशीलता*
- *-मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन*

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Monthly Newsletter
June | 2025

AOC टीम द्वारा मॉक सत्रों का आयोजन

आपसी समन्वय और साझा सीख को बढ़ावा देने के लिए, AOC टीम ने जीवन कौशल, नशे के प्रभाव, साथियों का दबाव और धमकाना, लैंगिक संवेदनशीलता आदि विषयों पर दो दिवसीय मॉक सत्र आयोजित किए। ये सत्र न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के 41 सामुदायिक केंद्र में आयोजित हुए, जहाँ ख्वाबगाह की शिक्षकों ने दर्शक व सह-शिक्षार्थियों के रूप में भाग लिया। इस पारस्परिक अभ्यास ने विश्वास को बढ़ाया और टीमों के बीच सहपाठी सीखने की भावना को मजबूत किया। साथ ही, सामग्री प्रस्तुत करने और सत्र संचालित करने के लिए उपयोगी सुझाव भी मिले।

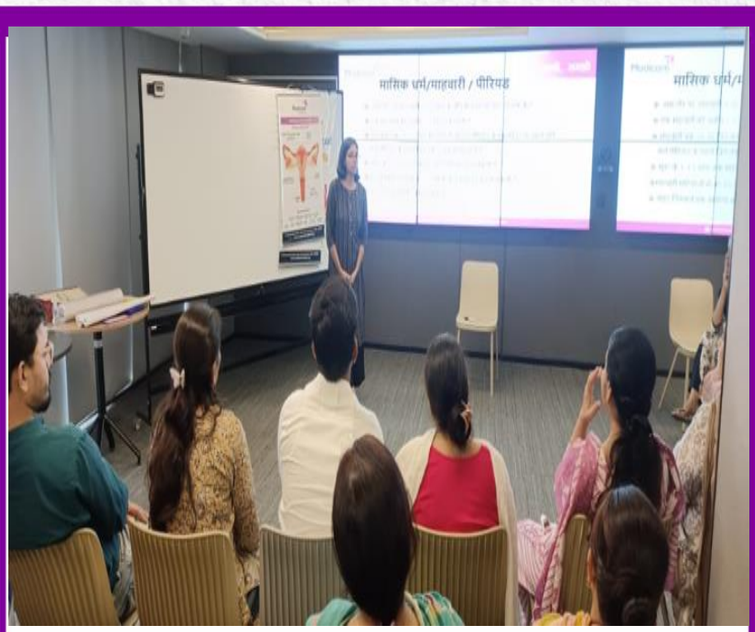

आवाम की आवाज़

इन मॉक सत्रों के माध्यम से हमें मासिक धर्म, किशोरावस्था में बदलाव, यौन शोषण जैसे संवेदनशील विषयों पर बात करने का अवसर मिला, जिन पर लोग संकोच करते हैं। जानकारी की कमी के कारण वे सही निर्णय नहीं ले पाते।

–अनुषा खान, ख्वाबगाह